

**Anekant Education Society's  
Tuljaram Chaturchand College of Arts, Science and Commerce,  
Baramati**

**Autonomous**

**Course Structure for M.A. I MARATHI  
From - June 2022-2023**

| <b>Semester</b> | <b>Paper Code</b> | <b>Title of Paper</b>                | <b>No. of Credits</b> |
|-----------------|-------------------|--------------------------------------|-----------------------|
| I               | PAMR111           | व्यावहारिक आणि उपयोजित मराठी भाग – १ | 4                     |
| II              | PAMR121           | व्यावहारिक आणि उपयोजित मराठी भाग – २ | 4                     |

**SYLLABUS(CBCS) FOR M.A. I Marathi (w.e.f. June, 2022)**  
**Academic Year 2022-2023**

Class : M.A. Marathi (Semester- I)

Paper Code: PAMR111

Paper : I Title of Paper : व्यावहारिक आणि उपयोजित मराठी भाग — १

Credit : 4 credits No. of lectures: 60

**A) Learning Objectives:**

१. विविध स्तरावरील भाषिक कौशल्ये व क्षमता विकसित करणे
२. विद्यार्थ्यांना व्यक्तिमत्त्व विकासाबरोबरच उद्योग, व्यवसायासाठी भाषिक कौशल्ये आत्मसात करता यावी.
३. प्रमाणभाषालेखन, मुद्रितशोधन या संकल्पनांचे प्रत्यक्षात उपयोजन करता येणे.
४. लिखित माध्यमांसाठी तसेच आकाशवाणी, दूरदर्शन या माध्यमांसाठी मुलाखत लेखनाची तंत्रे व कौशल्ये वापरता येण्याची क्षमता विकसित करणे.
५. संभाषण कौशल्याची क्षमता विकसित करून त्याचे उपयोजन करता यावे.

**B) Learning Outcome:**

१. विद्यार्थ्यांना व्यवहारामध्ये भाषेची विविध उपयोजित कौशल्ये आत्मसात करण्याची क्षमता विकसित करणे.

**TOPICS/CONTENTS:**

| घटक | तपशील                                                                                                                                                                                                                                                                     | श्रेयांक | तासिका |
|-----|---------------------------------------------------------------------------------------------------------------------------------------------------------------------------------------------------------------------------------------------------------------------------|----------|--------|
| १   | <b>मराठीच्या प्रमाणभाषेचे लेखन व मुद्रितशोधन</b><br>१.१) शुध्दलेखनाची संकल्पना, शुध्दलेखनाची आवश्यकता, शुध्दलेखनाचे नियम<br>१.२) मुद्रितलेशोधनाची संकल्पना व स्वरूप, मुद्रितशोधनाची आवश्यकता, मुद्रितशोधनाच्या खुणा, चिन्हे आणि त्यांचा वापर                              | १        | १५     |
| २   | <b>वाङ्मयीन व्यवहार व प्रकाशन संस्था</b><br>२.१) विविध साहित्यसंस्था, मुखपत्रे व त्यांचे वाङ्मयीन कार्य, साहित्यसंमेलनांची भूमिका व सद्यस्थिती<br>२.२) वाङ्मयीन नियतकालिके व अनियतकालिके, दिवाळी अंक विशेषांक, स्मरणिका इत्यादीचे संपादन, मांडणी, जाहिरात, ISSN ची माहिती | १        | १५     |
| ३   | <b>प्रकाशन व्यवसायाचे स्वरूप</b><br>३.१) प्रकाशन संस्था, प्रकाशन व्यवसाय, पुस्तक प्रकाशन, ISBN ची माहिती, ग्रंथमांडणी, संहितानिवड, मुखपृष्ठ, मलपृष्ठ, सजावट व बांधणी, जाहिरात, वितरण इ.                                                                                   | १        | १५     |

|   |                                                                                                                                                                                                               |  |  |
|---|---------------------------------------------------------------------------------------------------------------------------------------------------------------------------------------------------------------|--|--|
| ४ | ४.१) मुलाखतीचे स्वरूप, तंत्र व कौशल्ये, मुलाखतीची पूर्वतयारी, प्रश्नसूची इ.<br>४.२) मुलाखतीचे प्रकार, माध्यमनिहाय मुलाखती, विषयनिहाय मुलाखती<br>४.३) मुलाखत लेखन, (मुद्रितमाध्यम, आकाशवाणी, दूरदर्शन इ. साठी) |  |  |
|---|---------------------------------------------------------------------------------------------------------------------------------------------------------------------------------------------------------------|--|--|

### प्रात्यक्षिके :

१. मराठी शुध्दलेखन व मुद्रित शोधनासाठी कृतिसत्र
२. मुलाखत लेखन माध्यमनिहाय व विषयनिहाय मुलाखतीचे सादरीकरण
३. संपादकीय कौशल्ये :— गृहपाठ देणे, सूची तयार करण्यास सांगणे.

### संदर्भग्रंथ

- |                                                                                      |                                                  |
|--------------------------------------------------------------------------------------|--------------------------------------------------|
| १. व्यावहारिक मराठी                                                                  | पुणे विद्यापीठ, प्रकाशन                          |
| २. व्यावहारिक मराठी                                                                  | डॉ. कल्याण काळे, डॉ. दत्तात्रय पुंडे, पुणे       |
| ३. व्यावहारिक मराठी                                                                  | संपा. डॉ. स्नेहल तावरे, स्नेहवर्धन प्रकाशन, पुणे |
| ४. व्यावहारिक मराठी                                                                  | डॉ. लीला गोविलकर, डॉ. जयश्री पाटणकर, पुणे        |
| ५. व्यावहारिक मराठी                                                                  | डॉ. सयाजीराजे मोकाशी, डॉ. रंजना नेमाडे           |
| ६. व्यावहारिक मराठी                                                                  | ल.रा. नसिराबादकर, फडके प्रकाशन, कोल्हापूर        |
| ७. व्यावहारिक मराठी विशेषांक                                                         | नवभारत—ऑक्टो.—सप्टें. १९८२, प्राज्ञ पाठशाळा वाई  |
| ८. मराठी शुध्दलेखन प्रदीप                                                            | मो.रा. वाळंबे, नितीन प्रकाशन पुणे                |
| ९. मराठी लेखनमार्गदर्शिका                                                            | यास्मिन शेख, राज्य मराठी विकास संस्था, मुंबई     |
| १०. शुध्दलेखन विवेक                                                                  | डॉ.द.न. गोखले, सोहम प्रकाशन पुणे                 |
| ११. मराठी भाषेची संवाद कौशल्ये                                                       | य.च.म.मुक्त विद्यापीठ, नाशिक                     |
| १२. संपादन : स्वरूप व कौशल्ये (MCJ 305)                                              | य.च.म.मुक्त विद्यापीठ, नाशिक                     |
| १३. प्रशासनिक मराठी भाषेचा विकास गीता भागवत, राज्य मराठी विकास संस्था प्रशासन, मुंबई |                                                  |
| १४. मुद्रित शोधन                                                                     | वाय.ए. धायगुडे, दि. पुना प्रेस ओनर्स असोसिएशन    |
| १५. शोधविज्ञान कोश                                                                   | डॉ. दु.का. संत, पुणे विद्यार्थी गृह, पुणे        |
| १६. भाषांतर मीमांसा                                                                  | संपा.डॉ. कल्याण काळे, डॉ. अंजली सोमण             |
| १७. भाषा : स्वरूप, सामर्थ्य व सौंदर्य                                                | डॉ. वा. के. लेले, राजहंस प्रकाशन, पुणे           |

**SYLLABUS(CBCS) FOR M.A. I Marathi (w.e.f. June, 2022)**  
**Academic Year 2019-2020**

Class : M.A. Marathi (Semester- II)

Paper Code: PAMR121

Paper : I Title of Paper : व्यावहारिक आणि उपयोजित मराठी भाग — २

Credit : 4 credits No. of lectures: 60

**A) Learning Objectives:**

१. लिखित माध्यमांसाठी तसेच आकाशवाणी, दूरदर्शन या माध्यमांसाठी मुलाखत लेखनाची तंत्रे व कौशल्ये वापरता येण्याची क्षमता विकसित करणे.
२. भाषांतर आणि अनुवाद प्रक्रिया यांची तात्विक व व्यावहारिक माहिती देणे.
३. निवेदनकौशल्याची तात्विक व व्यावहारिक माहिती देणे तसेच विविध क्षेत्रातील निवेदकाला असलेल्या संधी अवलोकनार्थ विशद करणे.
४. जनसंपर्क कौशल्याची आवश्यकता समजावणे, माध्यमातील संधी व त्यासाठीची तंत्रे अवगत करणे.
५. रोजगाराच्या संधी उपलब्ध होण्यासाठीची कौशल्ये विकसित करणे.

**B) Learning Outcome:**

१. विद्यार्थ्यांना व्यवहारातील भाषेच्या विविध माध्यमांमधील संधी व त्यासाठीची तंत्रकौशल्ये अवगत करण्याची क्षमता विकसित करणे.

**TOPICS/CONTENTS:**

| घटक | तपशील                                                                                                                                                                                                                                                                                                         | श्रेयांक | तसिका |
|-----|---------------------------------------------------------------------------------------------------------------------------------------------------------------------------------------------------------------------------------------------------------------------------------------------------------------|----------|-------|
| ५   | <b>भाषांतर व अनुवादलेखन</b><br>५.१) भाषांतराचे स्वरूप, व्याप्ती<br>५.२) भाषांतराचे आवश्यकता व महत्त्व<br>५.३) भाषांतराचे विविध प्रकार<br>५.४) भाषांतर, अनुवाद, भावानुवाद आणि रूपांतर यांतील साम्य—भेद                                                                                                         | १        | १५    |
| ६   | <b>निवेदन कौशल्य</b><br>६.१) निवेदनाचे स्वरूप, निवेदनाची आवश्यकता<br>६.२) निवेदनाची तंत्रे—शैली<br>६.३) कार्यक्रमनिहाय, विविध कार्यक्रमांचे आयोजन—नियोजन—संयोजन<br>६.४) माध्यमनिहाय सूत्रसंचालन (आकाशवाणी, दूरदर्शन)<br>६.५) सांस्कृतिक कार्यक्रम, जाहीर कार्यक्रम इ.<br>६.६) प्रभावी निवेदनाची गुणवैशिष्ट्ये | १        | १५    |
| ७   | <b>जनसंपर्क कौशल्य</b><br>७.१) जनसंपर्काचे स्वरूप व आवश्यकता<br>७.२) जनसंपर्क कौशल्याची तंत्रे, जनसंपर्क कौशल्याची भाषा<br>७.३) माहिती व जनसंपर्क अधिकारी (शासन, विद्यापीठे, शैक्षणिक                                                                                                                         | १        | १५    |

|   |                                                                                                                                                                                                                                                                                                                                                                                                                                         |   |    |
|---|-----------------------------------------------------------------------------------------------------------------------------------------------------------------------------------------------------------------------------------------------------------------------------------------------------------------------------------------------------------------------------------------------------------------------------------------|---|----|
|   | संस्था, बँका, कंपन्यांसाठी जनसंपर्काचे महत्त्व व आवश्यकता)                                                                                                                                                                                                                                                                                                                                                                              |   |    |
| ८ | <b>विविध माध्यमांसाठी प्रकल्पलेखन</b><br>८.१) वृत्तपत्र, नियतकालिकासाठी प्रत्यक्ष मुलाखत घेणे.<br>८.२) दूरदर्शन, आकाशवाणीवरील मुलाखत — संहिता लेखन<br>(ध्वनी—चित्रफित तयार करणे— ऑडियो व्हिडियो)<br>८.३) प्रसारमाध्यमांचे कार्यालय, प्रकाशन संस्था,<br>आकाशवाणी—शैक्षणिक सहल आयोजित करणे त्यावर<br>वृत्तांतलेखन करणे, प्रकल्प लेखन करणे<br>८.४) कार्यालयीन कामकाज — कार्यप्रणाली समजून घेणे, संगणकावर<br>मराठीचा वापर प्रकल्पलेखन करणे. | १ | १५ |

### प्रकल्प लेखन — २० गुण

#### प्रात्यक्षिके :

१. आकाशवाणी व दूरदर्शन या माध्यमांना प्रत्यक्ष भेट देउन प्रकल्पलेखन करून घेणे.
२. भाषांतराचा नमुना मराठीतून — हिंदी, हिंदीतून—मराठी
३. जनसंपर्क अधिकारी — मुलाखत
४. संपादक मुलाखत

#### संदर्भग्रंथ

- |                                         |                                                  |
|-----------------------------------------|--------------------------------------------------|
| १. अनुवाद : स्वरूप और विवेचन            | य.च.म. मुक्त विद्यापीठ, नाशिक                    |
| २. साहित्य संवाद                        | प्रा.वि.शं. चौधुले, प्रतिमा प्रकाशन, पुणे        |
| ३. संवादशास्त्र                         | श्रीपाद जोशी, संभव प्रकाशन नागपूर                |
| ४. व्यक्तिमत्व विकास                    | य.च.म. मुक्त विद्यापीठ, नाशिक                    |
| ५. भाषा : अंतःसूत्र आणि व्यवहार         | संपा. मु.ग. पानसे                                |
| ६. भाषांतर विद्या: स्वरूप आणि समस्या    | डॉ. रमेश वरखेडे                                  |
| ७. भाषा: मातृभाषा आणि परभाषा            | रा.सो. सराफ                                      |
| ८. चिंतन आणि चर्चा                      | श्री.ना. बनहट्टी                                 |
| ९. शासन व्यवहारात मराठी भाषा            | संचालनालय महाराष्ट्र शासन                        |
| १०. महाराष्ट्र साहित्य परिषद            | म.श्री. दीक्षित, राज्य मराठी विकास संस्था, मुंबई |
| ११. साहित्याची भाषा                     | डॉ. भालचंद्र नेमाडे                              |
| १२. साहित्य संमेलनाचे महाभारत           | डॉ. भीमराव कुलकर्णी, सुपर्ण प्रकाशन, पुणे        |
| १३. सामाजिक संशोधन पद्धती               | डॉ. पु.ल. भांडारकर, विद्या बुक्स, औरंगाबाद       |
| १४. सुगम मराठी व्याकरण लेखन             | मो.रा. वाळंबे, नितीन प्रकाशन पुणे                |
| १५. मराठी नियतकालिकांचा वाङ्मयीन अभ्यास | डॉ. उषा मा. देशमुख, खंड १ ते ३ पुणे              |
| १६. मराठी लेखनकोश                       | अरूण फडके ढवळे प्रकाशन, मुंबई                    |
| १७. भाषांतर चिकित्सा                    | डॉ. मधुकर मोकाशी                                 |
| १८. व्यासपीठ                            | डॉ. महादेव वाळुंज                                |
| १९. टेलिव्हीझन आणि प्रसार माध्यमे       | डॉ. केशव साठये, प्रतिक प्रकाशन, पुणे             |

**Anekant Education Society's  
Tuljaram Chaturchand College of Arts, Science and Commerce,  
Baramati**

**Autonomous**

**Course Structure For M.A.I MARATHI**

| <b>Semester</b> | <b>Paper Code</b> | <b>Title of Paper</b>                              | <b>No. of Credits</b> |
|-----------------|-------------------|----------------------------------------------------|-----------------------|
| <b>I</b>        | PAMR112           | मध्ययुगीन मराठी वाङ्मयाचा इतिहास (प्रारंभ ते १६००) | <b>4</b>              |
| <b>II</b>       | PAMR122           | मध्ययुगीन मराठी वाङ्मयाचा इतिहास (१६०० ते १८१८)    | <b>4</b>              |

# SYLLABUS (CBCS) FOR M.A.I MARATHI (w.e. from June, 2022)

## Academic Year 2022-2023

Class : M.A.I (MARATHI- Semester- I)

Paper Code: PAMR112

Paper : 2 Title of Paper : मध्ययुगीन मराठी वाङ्मयाचा इतिहास (प्रारंभ ते १६००)

Credit : 4 No. of lectures: 60

### A) Learning Objectives:

- १) मराठी भाषेची उत्पत्ती, विकास व बदलाचा अभ्यास करणे.
- २) मध्ययुगीन साहित्यामधील विविध वाङ्मयीन प्रवाहांचे स्वरूप आणि कार्य यांचा आढावा घेणे.
- ३) मध्ययुगीन काळातील गद्य आणि पद्य वाङ्मयाचे आकलन, आस्वाद आणि विश्लेषण करणे.

### B) Learning Outcome:

या अभ्यासामुळे विद्यार्थ्यांना मराठी भाषेची उत्पत्ती, विकासबरोबरच मध्ययुगीन काळातील गद्य पद्य साहित्याची ओळख होईल.

### TOPICS/CONTENTS:

| घटक | तपशील                                                                                                                                                                         | श्रेयांक | तासिका |
|-----|-------------------------------------------------------------------------------------------------------------------------------------------------------------------------------|----------|--------|
| १   | <b>महाराष्ट्र मराठी भाषा उगम आणि विकास</b><br>१.१ महाराष्ट्र मराठी भाषा : उगम आणि विकास<br>१.२ कोरीव लेख व शिलालेख<br>१.३ मुकुंदराजाची काव्यनिर्मिती : प्रेरणा व स्वरूप       | १        | १५     |
| २   | <b>महानुभाव संप्रदायाचे वाङ्मय</b><br>२.१ महानुभाव संप्रदाय<br>२.२ संप्रदायाचे वाङ्मय<br>२.३ साती ग्रंथांचे वाङ्मय परंपरेतील स्थान                                            | १        | १५     |
| ३   | <b>वारकरी संप्रदायाची काव्यनिर्मिती</b><br>३.१ वारकरी संप्रदाय<br>३.२ संत ज्ञानेश्वरांची काव्यनिर्मिती<br>३.३ संत नामदेवांची काव्यनिर्मिती<br>३.४ संत एकनाथांची काव्यनिर्मिती | १        | १५     |
| ४   | <b>संतमेळ्याची अभंगवाणी</b><br>४.१ संत ज्ञानदेव-संत नामदेव समकालीन संतमेळा<br>४.२ संत कवयित्रीची काव्यनिर्मिती<br>४.३ विविध धर्मीय कवींची काव्यनिर्मिती                       | १        | १५     |

प्रात्यक्षिक -

- १ मध्ययुगीन शब्द व समकालीन शब्द यांची तुलना करणे.
- २) मध्ययुगीन साहित्यावर गटचर्चा/सादरीकरण/रसग्रहण

संदर्भ ग्रंथ-

- १) प्राचीन मराठी वाङ्मयाचा इतिहास - डॉ. ल. रा. नासिराबादकर
- २) प्राचीन मराठी वाङ्मयाचा इतिहास भाग १ ते ७ डॉ. अ. ना. देशपांडे
- ३) प्राचीन मराठी वाङ्मयाचे स्वरूप - डॉ. ह. श्री. शेणोलीकर
- ४) पाच संतकवी - डॉ. शं. गो. तुळपुळे
- ५) संत, पंत, तंत - श्री. म. माटे
- ६) प्राचीन मराठी गद्य : प्रेरणा आणि परंपरा - श्री. रं. कुलकर्णी
- ७) मराठी वाङ्मयाचा विवेचक इतिहास - डॉ. प्र. न. जोशी
- ८) मराठी वाङ्मयाचा इतिहास - १,२,३ प्रकाशक, महाराष्ट्र साहित्य परिषद, पुणे
- ९) वारकरी संप्रदाय आणि संत साहित्य - डॉ. शिवाजीराव मोहिते
- १०) ज्ञानेश्वरीतील समाजदर्शन - डॉ. तानाजी पाटील
- ११) महानुभाव मराठी वाङ्मय - वा. ना. देशपांडे
- १२) महानुभाव पंथ आणि त्यांचे वाङ्मय - डॉ. शं. गो. तुळपुळे
- १३) शिलालेख व कोरीव लेख - डॉ. यु. म. पठाण

\*\*\*\*\*

## SYLLABUS (CBCS) FOR M.A.I MARATHI (w.e. from June, 2022)

Academic Year 2022-2023

Class : M.A.I (MARATHI- Semester- II)

Paper Code: PAMR122

Paper : 2 Title of Paper : मध्ययुगीन मराठी वाङ्मयाचा इतिहास (१६०० ते १८१८)

Credit : 4 No. of lectures: 60

### A) Learning Objectives:

- १) मराठी संतकाव्य, पंतकाव्य आणि शाहिरी काव्याचा अभ्यास करणे.
- २) मध्ययुगीन साहित्यामधील विविध वाङ्मयीन प्रवाहांचे स्वरूप आणि कार्य यांचा आढावा घेणे.
- ३) मध्ययुगीन काळातील गद्य आणि पद्य परंपरेचा अभ्यास करणे.

### B) Learning Outcome:

या अभ्यासामुळे विद्यार्थ्यांना मराठी भाषेच्या, विकासबरोबरच मध्ययुगीन काळातील गद्य पद्य साहित्याची ओळख होईल.

### TOPICS/CONTENTS:

| घटक | तपशील                                                                                                                                                                                         | श्रेयांक | तासिका |
|-----|-----------------------------------------------------------------------------------------------------------------------------------------------------------------------------------------------|----------|--------|
| १   | <b>संत तुकाराम आणि संत रामदास काव्यनिर्मिती</b><br>१.१ संत तुकाराम यांच्या काव्यनिर्मितीची प्रेरणा व स्वरूप<br>१.२ संत रामदास यांच्या काव्यनिर्मितीची प्रेरणा व स्वरूप<br>१.३ समकालीन संत कवी | १        | १५     |
| २   | <b>पंडिती काव्य</b><br>२.१ पंडिती काव्य - प्रेरणा व स्वरूप<br>२.२ प्रमुख पंडित कवी<br>२.३ पंडिती काव्याची वैशिष्ट्ये व वेगळेपण                                                                | १        | १५     |
| ३   | <b>बखर वाङ्मय</b><br>३.१ बखर वाङ्मय व्युत्पत्ती व स्वरूप<br>३.२ प्रमुख बखरकार व बखरी<br>३.३ बखरींचे वाङ्मयीन व ऐतिहासिक महत्त्व                                                               | १        | १५     |
| ४   | <b>शाहिरी वाङ्मय</b><br>४.१ शाहिरी वाङ्मय - व्युत्पत्ती व स्वरूप<br>४.२ शाहिरी वाङ्मयाचे प्रकार<br>४.३ प्रमुख शाहीर व त्यांचे साहित्य                                                         | १        | १५     |

प्रात्यक्षिक -

- १ संत साहित्याचा सध्याच्या काळातील अन्वयार्थ लावणे.
- २) मध्ययुगीन साहित्यावर गटचर्चा/सादरीकरण/रसग्रहण

### ३) शैक्षणिक सहल - संतांच्या स्थळांना/शिलालेखांना भेट

संदर्भ ग्रंथ -

- १) प्राचीन मराठी वाङ्मयाचा इतिहास - डॉ. ल. रा. नासिराबादकर
- २) प्राचीन मराठी वाङ्मयाचा इतिहास भाग १ ते ७ डॉ. अ. ना. देशपांडे
- ३) प्राचीन मराठी वाङ्मयाचे स्वरूप - डॉ. ह. श्री. शेणोलीकर
- ४) पाच संतकवी - डॉ. शं. गो. तुळपुळे
- ५) संत, पंत, तंत - श्री. म. माटे
- ६) प्राचीन मराठी गद्य : प्रेरणा आणि परंपरा - श्री. रं. कुलकर्णी
- ७) मराठी वाङ्मयाचा विवेचक इतिहास - डॉ. प्र. न. जोशी
- ८) मराठी वाङ्मयाचा इतिहास - १,२,३ प्रकाशक, महाराष्ट्र साहित्य परिषद, पुणे
- ९) वारकरी संप्रदाय आणि संत साहित्य - डॉ. शिवाजीराव मोहिते
- १०) बखर वाङ्मय उद्गम व विकास - बापुजी संकपाळ
- ११) काही संत काही शाहीर - डॉ. मू. श्री. कानडे
- १२) प्राचीन मराठी पंडिती काव्य - डॉ. के. ना. वाटवे

\*\*\*\*\*

**Anekant Education Society's  
Tuljaram Chaturchand College of Arts, Science and  
Commerce, Baramati**

**Autonomous**

**Course Structure For M.A.I MARATHI**

| <b>Semester</b> | <b>Paper Code</b> | <b>Title of Paper</b>    | <b>No. of Credits</b> |
|-----------------|-------------------|--------------------------|-----------------------|
| <b>I</b>        | <b>PAMR113</b>    | भाषाविज्ञान : वर्णनात्मक | <b>4</b>              |
| <b>II</b>       | <b>PAMR123</b>    | भाषाविज्ञान : सामाजिक    | <b>4</b>              |

## SYLLABUS (CBCS) FOR M.A.I MARATHI (w.e. from June, 2022)

Academic Year 2022-2023

Class : M.A.I (MARATHI- Semester- I)

Paper Code: PAMR112

Paper : 3

Title of Paper : भाषाविज्ञान : वर्णनात्मक

Credit : 4

No. of lectures: 60

### A) Learning Objectives:

- 1) विद्यार्थ्यांना मराठी भाषेचे प्रगत ज्ञान करून देणे.
- 2) भाषेच्या अभ्यासाच्या विविध पद्धतींचा परिचय करून देणे त्यांचे महत्त्व जाणवून देणे.
- 3) भाषेचा इतर क्षेत्रांची असलेला संबंध लक्षात घेऊन त्यानुसार त्याचा वापर करणे.

### B) Learning Outcome:

विद्यार्थ्यांना शास्त्रीय दृष्टीने आदेशात्मक भाषेचा परिचय होईल.

### TOPICS/CONTENTS:

| घटक | तपशील                                                                                                                                                                                                                     | श्रेयांक | तासिका |
|-----|---------------------------------------------------------------------------------------------------------------------------------------------------------------------------------------------------------------------------|----------|--------|
| १   | भाषा विज्ञानाच्या अभ्यास पद्धती आणि संकल्पना स्पष्टीकरण<br>१.वर्णनात्मक<br>२.ऐतिहासिक<br>३.सामाजिक<br>४.तुलनात्मक<br>५.संकल्पना स्पष्टीकरण : व्यावहारिक भाषा साहित्याची भाषा, भाषा-भाषण, उच्चारणाची भाषा- लिहिण्याची भाषा | १        | १५     |
| २   | भाषा विज्ञान आणि इतर शास्त्रे, स्वनिम विचार<br>१)समाजशास्त्र, मानसशास्त्र, कोश विज्ञान, बोली भूगोल<br>२)स्वनिमविचार:संकल्पना<br>३)स्वनिम विश्लेषणाची तंत्रे, स्वनिमांचे प्रकार: खंडयुक्त, खंडाधिष्ठित                     | १        | १५     |
| ३   | रूपिमविचार, वाक्यविचार<br>१) रूपिम विश्लेषणाची तंत्रे<br>२) रूपिमांचे प्रकार<br>३) मराठीची शब्दघटना                                                                                                                       | १        | १५     |

|   |                                                                  |   |    |
|---|------------------------------------------------------------------|---|----|
|   | ४) वाक्यविचार<br>५) वाक्य विश्लेषण , प्रथमोपस्थित संघटक पद्धती   |   |    |
| ४ | अर्थविचार<br>१) अर्थ प्रकार<br>२) अर्थक्षेत्र<br>३) घटक विश्लेषण | १ | १५ |

**प्रात्यक्षिक -**

- 1) आधुनिक कोशविज्ञानाच्या अपेक्षेनुसार एक शब्द घेऊन त्यासंदर्भात कोश तयार करणे.
- 2) शब्दघटनेने तयार झालेल्या सुमारे 150 शब्दांची यादी प्रकारानुसार करणे
- 3) पाच शब्द देऊन त्याचे घटक विश्लेषण करणे

**संदर्भ ग्रंथ**

- 1) भाषा आणि भाषाशास्त्र- डॉ. श्री. न. गजेंद्रगडकर
- 2) मराठीचा भाषिक अभ्यास: संपा.मृ. श्री. कानडे
- 3) भाषाविज्ञान वर्णनात्मक आणि ऐतिहासिक- संपा: डॉ.मालशे डॉ. इनामदार डॉ. सोमण
- 4) वर्णनात्मक भाषाविज्ञान: स्वरूप आणि पद्धती-संपा: डॉ.कल्याण काळे,डॉ. अंजली सोमण
- 5) अभिनव भाषाविज्ञान-डॉ. जोगळेकर
- 6) भाषाविज्ञान परीचय-डॉ. मालशे डॉ. पुंडे डॉ. सोमण
- 7) आधुनिक भाषाविज्ञान: सिद्धांत, उपयोजन-डॉ. मिलिंद मालशे
- 8) सुबोध भाषाशास्त्र- प्र. न. जोशी
- 9) सुलभ भाषाविज्ञान-डॉ. दत्तात्रेय पुंडे
- 10) मराठीचे वर्णनात्मक भाषाविज्ञान-डॉ. महेंद्र कदम
- 11) ऐतिहासिक भाषाशास्त्र- र. रा. गोसावी
- 12) भाषा इतिहास आणि भूगोल- डॉ. ना. गो. कालेलकर

\*\*\*\*\*

## SYLLABUS (CBCS) FOR M.A.I MARATHI (w.e. from June, 2022)

Academic Year 2022-2023

Class : M.A.I (MARATHI- Semester- I)

Paper Code: PAMR112

Paper : 3

Title of Paper : भाषाविज्ञान : सामाजिक

Credit : 4

No. of lectures: 60

### A) Learning Objectives:

- 1) विद्यार्थ्यांना मराठी भाषेचे प्रगत ज्ञान करून देणे.
- 2) भाषेच्या अभ्यासाच्या विविध पद्धतींचा परिचय करून देणे त्यांचे महत्त्व जाणवून देणे.
- 3) भाषेचा इतर क्षेत्रांची असलेला संबंध लक्षात घेऊन त्यानुसार त्याचा वापर करणे.

### B) Learning Outcome:

समाज रचनेनुसार भाषेतील विविध स्तर विद्यार्थ्यांच्या लक्षात येतील.

### TOPICS/CONTENTS:

| घटक | तपशील                                                                                                                                                                                                                                               | श्रेयांक | तासिका |
|-----|-----------------------------------------------------------------------------------------------------------------------------------------------------------------------------------------------------------------------------------------------------|----------|--------|
| १   | सामाजिक भाषाविज्ञान परिचय<br>१)स्वरूप<br>२)व्याप्ती<br>३)भाषा समाज यांचा परस्पर संबंध                                                                                                                                                               | १        | १५     |
| २   | भाषा आणि इतर क्षेत्रे<br>१) भाषा आणि आर्थिक वर्ग व्यवस्था<br>२) भाषा आणि विविध व्यवसायिक क्षेत्रे<br>३) भाषा आणि विविध क्षेत्रीय वापर<br>४) भाषा आणि व्यवसायिक शिक्षण                                                                               | १        | १५     |
| ३   | भाषेचा लिंग भेदान्कारी वापर<br>१) स्त्रियांची भाषा पुरुषांची भाषा<br>२) भाषा आणि सांस्कृतिक व्यवस्था<br>३) भाषा आणि सामाजिक व्यवस्था                                                                                                                | १        | १५     |
| ४   | प्रमाण भाषा आणि परभाषा संपर्क<br>१) पिजिनची निर्मिती, ज्हास , ज्हासाची कारणे<br>२) क्रिओल निर्मिती, स्थिरता, मराठी क्रिओल भाषा.<br>३) भाषा: शिक्षणाचे माध्यम ,बहुभाषिक समाजात शिक्षणाचे माध्यम, मराठीच्या संदर्भात तंत्रज्ञानासंबंधी शब्द निर्मिती. | १        | १५     |

प्रात्यक्षिक -

- 1) बदलत्या सामाजिक स्थितीत बदलणारी स्त्रियांची आणि पुरुषांची भाषा नोंद करणे.
- 2) एका क्षेत्रातील शब्दांचा क्षेत्रीय वापर शोधणे.
- 3) तंत्रज्ञानाधारित क्षेत्र निवडून त्यासंबंधी मराठी शब्द संग्रहित करणे.
- 4) मराठी भाषक समाजाशी संबंधित शब्द संग्रहित करणे.

संदर्भ ग्रंथ

- 1) समाजभाषाविज्ञान: प्रमुख संकल्पना- डॉ.वरखेडे रमेश
- 2)सामाजिक भाषाविज्ञान आणि बोली- डॉ.शशिकला कांबळे
- 3)सामाजिक भाषाविज्ञान- संपा. डॉ.जयश्री पाटणकर
- 4)सामाजिक भाषाविज्ञान: एक नवे अभ्यासक्षेत्र- मराठी संशोधन पत्रिका
- 5)मध्यमा: डॉ.अशोक केळकर
- 6)आधुनिक भाषाविज्ञान :संरचनावादी व सामान्य- डॉ.कल्याण काळे, डॉ.अंजली सोमण

\*\*\*\*\*

**Anekant Education Society's  
Tuljaram Chaturchand College of Arts, Science and Commerce,  
Baramati**

**Autonomous**

**Course Structure For M.A.I MARATHI**

| <b>Semester</b> | <b>Paper Code</b> | <b>Title of Paper</b> | <b>No. of Credits</b> |
|-----------------|-------------------|-----------------------|-----------------------|
| <b>I</b>        | PAMR114           | ग्रामीण साहित्य       | <b>4</b>              |
| <b>II</b>       | PAMR124           | दलित साहित्य          | <b>4</b>              |

# SYLLABUS (CBCS) FOR M.A.I MARATHI (w.e. from June, 2022)

Academic Year 2022-2023

Class : M.A.I (MARATHI- Semester- I)

Paper Code: PAMR114

Paper : 4

Title of Paper : ग्रामीण साहित्य

Credit : 4

No. of lectures: 60

## A) Learning Objectives:

- १) स्वातंत्र्यप्राप्ती नंतरच्या कालखंडातील ग्रामीण साहित्य निर्मितीची पार्श्वभूमी समजावून घेणे.
- २) साठोत्तरी मराठी साहित्यामधील विविध वाङ्मयीन प्रवाहांचे स्वरूप आणि कार्य यांचा आढावा घेणे.
- ३) ग्रामीण साहित्याचे स्वरूप व कार्य समजावून घेणे.
- ४) ग्रामीण साहित्यातील विविध वाङ्मय प्रकाराचा विकास कसा होत गेला याचा अभ्यास करणे.

## B) Learning Outcome:

या अभ्यासामुळे ग्रामीण परिसर, शेती-भाती, जीवनमान, राहणीमान, सांस्कृतिक जीवन हे भाषेच्या परिप्रेक्ष्यात विद्यार्थी जाणून घेण्यास आणि ते व्यक्त करण्यास सक्षम होतील.

## TOPICS/CONTENTS:

| घटक | तपशील                                                                                                                                                                                                                                                                     | श्रेयांक | तासिका |
|-----|---------------------------------------------------------------------------------------------------------------------------------------------------------------------------------------------------------------------------------------------------------------------------|----------|--------|
| १   | <b>साठोत्तरी मराठी साहित्य स्वरूप आणि ग्रामीण साहित्य</b><br>१.१ साठोत्तरी मराठी वाङ्मयीन प्रवाह<br>१.२ ग्रामीण साहित्य स्वरूप आणि संकल्पना<br>१.३ ग्रामीण साहित्य प्रवाह निर्मितीची कारणे<br>१.४ ग्रामीण साहित्य: प्रेरणा आणि प्रवृत्ती<br>१.५ ग्रामीण साहित्याचे देशीपण | १        | १५     |
| २   | <b>ग्रामीण साहित्य आणि समाज</b><br>२.१ गावगाड्याची जडणघडण<br>२.२ ग्रामीण साहित्यातून घडणारे सामाजिक, सांस्कृतिक दर्शन<br>२.३ ग्रामीण साहित्य आणि परिसर यांचा परस्पर संबंध<br>२.४ ग्रामीण समाज आणि ग्रामीण साहित्य                                                         | १        | १५     |
| ३   | <b>ग्रामीण साहित्याची वाटचाल</b><br>३.१ ग्रामीण कवितेची वाटचाल<br>३.२ ग्रामीण कथेची वाटचाल<br>३.३ ग्रामीण कादंबरीची वाटचाल<br>३.४ ग्रामीण नाटकाची वाटचाल                                                                                                                  | १        | १५     |

|   |                                                                                                                                                                                                                      |   |    |
|---|----------------------------------------------------------------------------------------------------------------------------------------------------------------------------------------------------------------------|---|----|
| ४ | <b>ग्रामीण साहित्य स्वरूप चिकित्सा</b><br>४.१ ग्रामीण साहित्याचे भाषिक आविष्काररूपे<br>४.२ ग्रामीण साहित्य चळवळ आणि ग्रामीण साहित्य<br>४.३ ग्रामीण साहित्य आणि सामाजिक बांधिलकी<br>४.४ ग्रामीण साहित्याचे बदलते विषय | १ | १५ |
|---|----------------------------------------------------------------------------------------------------------------------------------------------------------------------------------------------------------------------|---|----|

प्रात्यक्षिक -

- १ ग्रामीण साहित्यात आलेले नवीन शब्द संकलित करणे.
- २) ग्रामीण साहित्यावर गटचर्चा/सादरीकरण/रसग्रहण करणे.

संदर्भ ग्रंथ

- १) ग्रामीण साहित्य : स्वरूप आणि समस्या -डॉ. आनंद यादव
- २) ग्रामीणता : साहित्य आणि वास्तव-डॉ. आनंद यादव
- ३) मराठी साहित्य,समाज आणि संस्कृती-डॉ. आनंद यादव
- ४) ग्रामीण साहित्य : एक चिंतन-डॉ. द. ता. भोसले
- ५) ग्रामीण कथा - डॉ. वासुदेव मुलाटे
- ६) ग्रामीण साहित्य प्रेरणा आणि प्रयोजन -डॉ. श्रीराम गुंदेकर
- ७) ग्रामीण साहित्य- डॉ.रा. रं. बोराडे
- ८) मराठी कादंबरीतील प्रादेशिकता -डॉ. भास्कर शेळके
- ९) ग्रामसंस्कृती-डॉ. आनंद यादव
- १०) ग्रामीण कादंबरी-डॉ. रवींद्र ठाकूर
- ११) ग्रामीण साहित्याची चळवळ- डॉ. कीर्ती मुळीक
- १२) ग्रामीण साहित्य आणि वास्तव -संपा. डॉ. कृष्णा इंगोले
- १३) गावगाडा - त्रि. ना आत्रे
- १४) ग्रामीण-प्रादेशिक कादंबरीतील बोलीभाषा -डॉ. सुनील खामगळ

\*\*\*\*\*

# SYLLABUS (CBCS) FOR M.A.I MARATHI (w.e. from June, 2022)

## Academic Year 2022-2023

Class : M.A.I (MARATHI- Semester- II)

Paper Code: MAR4204

Paper : 4

Title of Paper : दलित साहित्य

Credit : 4

No. of lectures: 60

### A) Learning Objectives:

- १) स्वातंत्र्यप्राप्ती नंतरच्या कालखंडातील दलित साहित्य निर्मितीची पार्श्वभूमी समजावून घेणे.
- २) साठोत्तरी मराठी साहित्यामधील विविध वाङ्मयीन प्रवाहांचे स्वरूप आणि कार्य यांचा आढावा घेणे.
- ३) दलित साहित्याचे स्वरूप व कार्य समजावून घेणे.
- ४) दलित साहित्यातील विविध वाङ्मय प्रकाराचा विकास कसा होत गेला याचा अभ्यास करणे.
- ५) दलित साहित्यातून व्यक्त होणाऱ्या वेदना व विद्रोह याचे स्वरूप समजावून घेणे.

### B) Learning Outcome:

या अभ्यासामुळे सामाजिक प्रश्नांची जाणीव होऊन ते भाषेच्या परिप्रेक्ष्यात व्यक्त करण्यास सक्षम होतील.

### TOPICS/CONTENTS:

| घटक | तपशील                                                                                                                                                                                                                                                  | श्रेयांक | तासिका |
|-----|--------------------------------------------------------------------------------------------------------------------------------------------------------------------------------------------------------------------------------------------------------|----------|--------|
| १   | साठोत्तरी मराठी साहित्य स्वरूप आणि दलित साहित्य<br>१.१ साठोत्तरी मराठी वाङ्मयीन प्रवाह<br>१.२ दलित साहित्य स्वरूप आणि संकल्पना<br>१.३ दलित व दलित साहित्य : संज्ञा स्पष्टीकरण<br>१.४ दलित साहित्य: प्रेरणा आणि प्रवृत्ती<br>२.४ दलित साहित्याचे देशीपण | १        | १५     |
| २   | दलित साहित्य आणि समाज : सहसंबंध<br>२.१ भारतीय समाज: जात वास्तव<br>२.२ भारतीय समाज : दलितांचे स्थान, आर्थिक-सामाजिक स्थितीगती<br>२.३ दलित समाज: सामाजिक आणि सांस्कृतिक अनुबंध<br>२.४ दलित समाज: स्थितंतरे आणि दलित साहित्य                              | १        | १५     |
| ३   | दलित साहित्याची वाटचाल<br>३.१ दलित कविता-शाहिरी<br>३.२ दलित कथा<br>३.३ दलित कादंबरी<br>३.४ दलित नाटक<br>३.५ दलित आत्मकथन                                                                                                                               | १        | १५     |

|   |                                                                                                                                                                                              |   |    |
|---|----------------------------------------------------------------------------------------------------------------------------------------------------------------------------------------------|---|----|
| ४ | दलित साहित्य: स्वरूप चिकित्सा<br>४.१ दलित साहित्याचे भाषिक आविष्काररूपे<br>४.२ दलित साहित्य चळवळ आणि दलित साहित्य<br>४.३ दलित साहित्य आणि सामाजिक बांधिलकी<br>४.४ दलित साहित्याचे बदलते विषय | १ | १५ |
|---|----------------------------------------------------------------------------------------------------------------------------------------------------------------------------------------------|---|----|

प्रात्यक्षिक -

- १) दलित साहित्यात आलेले नवीन शब्द संकलित करणे.
- २) दलित साहित्यावर गटचर्चा/सादरीकरण/रसग्रहण करणे.

संदर्भ ग्रंथ .

- १) दलित साहित्य : वेदना आणि विद्रोह- डॉ. भालचंद्र फडके
- २) दलित साहित्य : सिद्धांत आणि स्वरूप - यशवंत मनोहर
- ३) दलित साहित्यातील रूपदाने : गो. म. कुलकर्णी
- ४) दलित साहित्य : एक चिंतन -अर्जुन डांगळे
- ५) दलित साहित्य : एक क्रांती विज्ञान-बाबुराव बागूल
- ६) दलित साहित्य : वामन निंबाळकर
- ७) दलित साहित्य : स्वाद आणि शोध - यशवंत मनोहर
- ८) दलित साहित्य : दिशा आणि दिशांतर - दत्ता भगत
- ९) दलित साहित्य : विचार आणि वैभव - डॉ. अनिल गजभिये
- १०) दलित नाटक,प्रेरणा आणि विकास : डॉ. शैलेश त्रिभुवन
- ११) दलित साहित्याचे निराळेपण : डॉ. प्रभाकर मांडे
- १२) दलित आत्मकथने : डॉ. वासुदेव मुलाटे

\*\*\*\*\*